नरकट

बाइबिलिक नाम – रीड
वैज्ञानिक नाम – *अरूडों फ्रैगमाइटिस, टाइफा*

जलीय घास के पौधों के रूप में नरकट, फ्रैगमाइटिस और टाइफा का वर्णन मिलता है। इनसे डलिया (बास्केट) बनाने का भी उल्लेख है। शुष्क स्थानों पर नरकट नहीं पायी जाती है। ईसा मसीह को अंतिम समय में रीड के खोखले स्पंजी तने में सिरका दिया गया था।

घृत कुमारी

बाइबिलिक नाम – एलवा
वैज्ञानिक नाम – *एलोय वेरा*

एलोय प्रजाति का वर्णन भी सकुलेंट पौध के रूप में किया गया है। इसके गूदे को औषधीय बताया गया है। वर्तमान समय में इसको घृतकुमारी के नाम से भी जाना जाता है। ईसा मसीह की सूली पर मृत्यु हो जाने पर शिष्यों ने उनके शरीर को एलोय व सुगंधित द्रव्य में लपेट कर गुम्बद के भीतर रक्खा और तीसरे दिन उन्होंने आश्चर्य व खुशी से देखा कि वे जीवित थे।

अरण्ड (रेड़)

बाइबिलिक नाम – क्यूक्यान
वैज्ञानिक नाम – *रिसिनस कम्यूनिस*

इसका उल्लेख कुछ अन्य नामों से भी किया गया है। इसका उपयोग इसके शीघ्र बढ़ने वाले गुण के लिये किया गया है। इसके साथ ही इसको उखाड़ कर शीघ्र ही सुखाया भी जा सकता है। यह बेकार पड़ी भूमि पर आसानी से उग जाता है। बाइबिल में इसको क्रोटान के नाम से भी लिखा गया है। जोना को इसके पौधों ने छाया प्रदान की थी और उनके द्वारा इसको उठाकर ले जाने पर शीघ्र ही मुरझा गये। वर्तमान समय में इसके बीजों से कैस्टर तेल बनाया जाता है।

काला शहतूत

बाइबिलिक नाम – साइकामिन
वैज्ञानिक नाम – *मोरस नाइगर*

इस वृक्ष का उल्लेख बाइबिल में एक स्थान पर किया गया है और इसकी उपस्थिति पवित्र भूमि पर बतायी गई है। ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह शिक्षा दी की अगर उनमें राई के दाने के बराबर भी विश्वास है तो तूत के पेड़ से कहते कि जड़ से उखड़ कर समुद्र में लग जा तो वह मान जाता।

टेमेरिक्स (झाऊ)

वैज्ञानिक नाम – *टेमेरिक्स*

इसका वर्णन एक झाड़ी या छोटे वृक्ष के रूप मे मिलता है। बाइबिल के अनुसार अब्राहम ने इसे बीरशीबा में रोपित किया था। यह प्रायः नदियों, नालों, एवं तालाब के किनारे उगते हुए देखा जा सकता है।

मेलो

बाइबिलिक नाम – मुलाव
वैज्ञानिक नाम – *एट्रीप्लेक्स*

बाइबिलिक नाम के अनुसार यह लवणीय होता है। इसका स्वाद और इसके उगने का स्थान दोनों ही लवणीय होते हैं। यह एक छोटा झाड़ीदार पौधा होता है और वर्तमान समय में भी लवणीय भूमि के सुधार एवं चारे हेतु रोपित किया जाता है।

काली सरसों

बाइबिलिक नाम – सिनापी
वैज्ञानिक नाम – *ब्रैसिका नाइग्रा*

बाइबिल में वर्णित इस प्रजाति के नाम में मतभेद है। ईसा मसीह के द्वारा इसका उदाहरण किसी छोटी वस्तु (बीज) के शीघ्र बढ़ने से दिया गया है जैसे स्वर्ग का राज्य।

उपरोक्त प्रजातियों को मसीही भक्त जन अपने धार्मिक स्थलों, विद्यालयों व अस्पतालों में मसीही वाटिका के नाम से रोपित कर सकते हैं।

उ.प्र. राज्य जैवविविधता बोर्ड
पूर्वी विंग, तृतीय तल, ए ब्लाक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर,
लखनऊ (उ०प्र०) 226010; फोन : 0522–4006746, 2306491 द्वारा प्रकाशित
वेबसाइट : upsbdb.org; ईमेल : upstatebiodiversityboard@gmail.com

आलेख व चित्र : डा. सी. एम. मिश्रा, इकालाजिस्ट, वन अनुसंधान संस्थान, उ.प्र.कानपुर

मुद्रक : शिवम् आर्ट्स, 211, निशातगंज, लखनऊ; दूरभाष : 2782172, 2782348; email : shivamarts@sancharnet.in

मसीही वाटिका

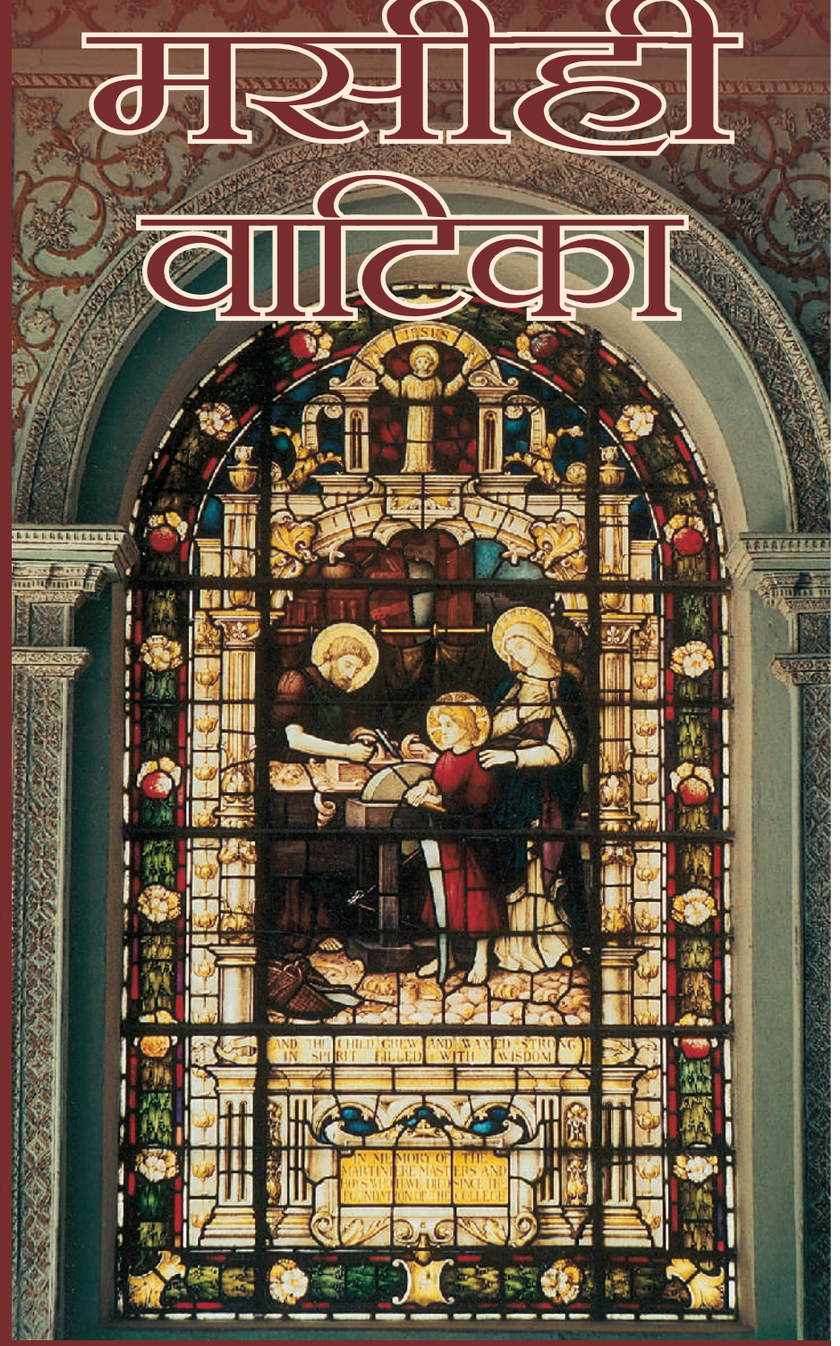

उ० प्र० राज्य जैवविविधता बोर्ड

मसीही–वाटिका

(इसाई धर्म से जुड़े वृक्षों का रोपण)

प्राचीन धार्मिक ग्रन्थों में ईश्वर, परमेश्वर एवं स्वर्ग की जो कल्पना की गई है उसमें वृक्षों व वाटिकाओं (बाग, उपवन) को अत्यधिक महत्त्व दिया गया है। विभिन्न प्रजातियों के आवश्यकतानुसार उपयोग एवं लाभ के बारे में भी बताया गया है। बाइबिल में अनेकों प्रजातियों का वर्णन मिलता है। परमेश्वर ने जब 'आदम' को बनाया तो उसका प्रारम्भ भी वाटिका से हुआ जिसको 'आदम की बगिया' (गार्डेन आफ इडेन) के नाम से जाना जाता है। इस बाग में फलदार वृक्ष के अतिरिक्त पशु–पक्षी की उपस्थिति का भी वर्णन है। बाइबिल के प्रारम्भ में इस बात का भी वर्णन है कि परमेश्वर के द्वारा पैदा किये गये वृक्ष, झाड़ियां और घास जो फल तथा बीज प्रदान करते हैं वे मानव समुदाय के लिए शुभ हैं। बाइबिल के आधार पर परमेश्वर ने सम्पूर्ण पृथ्वी की रचना छः दिनों में वचन मात्र से की तथा तीसरे दिन ही परमेश्वर ने सम्पूर्ण वनस्पतियों का निर्माण किया।

बाइबिल में वर्णित कुछ प्रजातियाँ जो उत्तर प्रदेश में उगाई जा सकती हैं, का विवरण निम्न प्रकार है :–

अंजीर

बाइबिलिक नाम – तीना
वैज्ञानिक नाम – *फाइकस कैरिका*

आदम और ईव को जब अभिशप्त फल खाने के बाद सर्वप्रथम नग्न होने का ज्ञान हुआ तो उन्होंने इस वृक्ष के पत्तों से अपने शरीर को ढका था। बाइबिल के अनुसार इसे शांति एवं समृद्धि का प्रतीक माना गया है। मीका (प्राफेट) ने शांति के महान दिवस पर यह कहा था कि इस वृक्ष के नीचे बैठकर मनुष्य युद्ध की बातें भूल जायेंगे और अपने तलवारों की हँसिया बनायेगें। अंजीर एक छायादार वृक्ष है जिसके फल (रिसेप्टिकल) स्वादिष्ट व पौष्टिक होते हैं।

अनार

बाइबिलिक नाम – रिम्मान
वैज्ञानिक नाम – *प्युनिका ग्रेनेटम*

अनार के वृक्ष को बाइबिल में सुन्दरता तथा सजावट के वृक्ष के रूप में वर्णित किया गया है और उन्नति का प्रतीक बताया गया है। इसके बाग रिमान के नाम से इंगित हैं। अनार के फल की सुन्दरता का भी वर्णन किया गया है।

पापलर

वैज्ञानिक नाम – *पापुलस अल्बा* एवं *पापुलस यूफ्रेटिका*

पापलर के वृक्षों की उपस्थिति ही ऐसे स्थानों पर बतायी गयी है जहां नदियाँ हैं। बाइबिल में इसका उपयोग जेकब द्वारा इसकी शाखाओं को छीलकर छड़ी बनाये जाने के लिए किया गया है। वर्तमान समय में पापलर की कुछ उन्नत क्लोनों की खेती उत्तर प्रदेश में अब विशाल स्तर पर होने लगी है।

विलो

वैज्ञानिक नाम – *सैलिक्स*

इस प्रजाति का वर्णन ऐसे स्थानों के लिए किया गया है जो अधिकतर नमी वाले क्षेत्र हैं और यह भी बताया गया है कि इनकी पत्तियां लम्बी व पतली होती हैं। बाइबिल में इस प्रजाति की उपस्थिति पहाड़ों और मैदानी क्षेत्रों में बताई गई है।

खजूर

बाइबिलिक नाम – इलाट, तमार
वैज्ञानिक नाम – *फोनिक्स डक्टाइलोफेरा*

बाइबिल में इसका वर्णन इलाट व तमार के नाम से किया गया है इन वृक्षों के नीचे से चलने की बात कही गयी है। इसके नीचे दबोरा नबिया बैठ कर न्याय करती थी। शुष्क क्षेत्रों में पायी जाने वाली यह प्रजाति छोटे एवं स्वादिष्ट फल प्रदान करती है।

अँगूर

बाइबिलिक नाम – जीफेन,
वैज्ञानिक नाम – *वाइटिस विनिफेरा*

परमेश्वर की शिक्षा के अनुसार, यदि अँगूर की शाखा काट दी जाये तो उसमें फल नहीं लगेंगे और वह सूख कर जलाने योग्य हो जायेगी। इसी प्रकार जो परमेश्वर से अलग होगा वह स्वतः समाप्त हो जायेगा।

मेहँदी

बाइबिलिक नाम – कोफर
वैज्ञानिक नाम – *लासोनिया इनरमिस*

बाइबिल में इसको प्रेम का प्रतीक भी माना गया है और इसको अनार के बाग में रोपित करने का वर्णन है। इसकी पत्तियों का लेप शरीर पर लगाया जाता है।

बेर

बाइबिलिक नाम – स्पाइनी
वैज्ञानिक नाम – *जिज़ीफस स्पाइना–क्रिस्टी*

बाइबिल में इसका वर्णन मुख्यतः इसके काँटों की वजह से किया गया है तथा इसका रोपण शुष्क क्षेत्रों में बताया गया है। बाइबिल के अनुसार पवित्र भूमि पर चलने से पहले इसके काँटे बिखरे देखे जा सकते हैं। जीज़स क्राइस्ट के काटों के ताज़ में इसको लगाये जाने की बात कही गई है।